चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	4-7-24	2	3-6

The Tribune
ESTABLISHED IN 1881

Centre offers grant up to ₹25 lakh at agri varsity

Aspiring entrepreneurs willing to set up agri business can apply for it by Sept 10

HISAR, JULY 3

An innovative idea of entrepreneurship in the agriculture sector can help students and others get a grant between Rs 4 lakh and Rs 25 lakh through Agribusiness Incubation Centre (ABIC) at the Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University.

The grant will be provided by the Union Ministry of Agriculture and Farmers Welfare. The aspiring entrepreneurs can apply online on the university website—www.hau.ac.in—by September 10.

Vice-Chancellor BR Kamboj said students, unemployed youth, farmers, women and others could give a new dimension to their start-ups in the agriculture sector by getting training in marketing, networking, licensing, trademark and patent, technology and funding.

HAU VC and faculty members release a booklet in Hisar. TRIBUNE PHOTO

He said there was a provision for the grant in Student Orientation Programme, Pahal and Safal-2024.

"The Union Ministry of Agriculture and Farmers Welfare has sanctioned Rs 7 crore for 65 start-ups in the past five years," the Vice-Chancellor said, while releasing a booklet on these programmes.

He said there was a golden opportunity for the youth to set up their businesses in the agriculture sector.

By taking training and financial assistance from the ABIC, the youth can become job creators instead of job seekers, he added.

"The youth, farmers, women and entrepreneurs can explore immense business opportunities by processing, servicing, packaging and branding in the field of agriculture through ABIC," he said. — TNS

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	4-7-24	4	1-6

दैनिक भास्कर

किसानों को सलाह • बारिश के बाद कपास में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्खी, हरा चेपा का हो सकता है प्रकोप

अच्छी बारिश के बाद बीटी कपास में यूरिया का छिड़काव करें, देसी कपास में खाद की जरूरत नहीं

यशपाल सिंह | हिसार

मानसून ने दस्तक दे दी है। बारिश के बाद कपास की फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्खी, हरा चेपा का प्रकोप हो सकता है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि अच्छी बरसात के बाद बीटी कपास में 1 बैग यूरिया का प्रति एकड़ छिड़काव किया जाना चाहिए। बिजाई के समय डीएपी नहीं डाला है तो अब अच्छी बरसात के बाद उसमें डीएपी डालें। देसी कपास में खाद की जरूरत नहीं हैं। बरसात या पानी लगाने के बाद कपास में निराई गुड़ाई अवश्य करें। बरसात हो तो कपास में से पानी की निकासी का प्रबंध करें।

उन्होंने बताया कि जुलाई में कपास की फसल में थ्रिप्स/चुरड़ा का प्रकोप होता हैं। 60 दिनों से कम अवधि की फसल में यदि 30 थ्रिप्स प्रति 3 पत्ता मिले तो नीम आधारित कीटनाशक का प्रयोग करें।

जड़ गलन बीमारी से बचाव को कार्बेंडाजिम का घोल पौधों में डालें

एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ एस के पाहुजा ने बताया कि जड़ गलन बीमारी से सूखे हुए पौधों को खेत में से उखाड़ कर जमीन में दबा दें। प्रभावित पौधों के आसपास स्वस्थ पौधों में 1 मीटर तक कार्बेंडाजिम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर 400-500 मिलीलीटर प्रति पौधों की जड़ों में डालें। किसान पीठ वाले स्प्रे पंप का प्रयोग करते समय मोटे फव्वारे का प्रयोग करके जड़ों के पास फंफूदनाशक घोल को डालें।

कीट प्रबंधन: कपास विभाग के वैज्ञानिक डॉक्टर कर्मल सिंह मलिक ने बताया कि नीमं आधारित कीटनाशक नीम्बीसिडीन या अचूक की 5 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। फसल में 100 फूलों का गुलाबी सुंडी के लिए निरीक्षण करें। टिंडे बनने के बाद गुलाबी सुंडी ज्यादातर टिंडों में पाई जाती है। 1 एकड़ से 20-25 टिंडे 12-15 दिन पुराने तोड़कर टिंडो को फाड़कर निरीक्षण करें। फसल 60 दिनों के होने के बाद तथा गुलाबी सुंडी का प्रकोप फलीय भागों फूल एवं टिंडों पर 5-10% होने पर 1 छिड़काव प्रोफेनोफोस क्यूराक्रोन/सेल्क्रोन/कैरिना 50 ईसी की 3 मि.ली. मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से करें। अगला छिड़काव जरुरत पड़ने पर क्यूनालफास 20 एएफ की 4 मि.ली. मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 12-15 दिनों बाद करें।

सफेद मक्खी से बचाव को फ्लॉनिकामिड़ उलाला का छिड़काव करें

जुलाई माह में कपास की फसल में सफेद मक्खी व हरा तेला का भी प्रकोप शुरू हो जाता हैं। सफेद मक्खी यदि 6-8 प्रौढ़ प्रति पत्ता एवं हरा तेला 2 शिशु प्रति पत्ता मिलते हैं तो फ्लॉनिकामिड़ उलाला 50 डब्लूजी की 60 ग्राम मात्रा प्रति 200 लीटर पानी की दर से एक छिड़काव करें। कपास की शुरुआती अवस्था में ज्यादा जहरीले कीटनाशकों एवं कीटनाशकों के टैंक मिश्रण का प्रयोग ना करें ऐसा करने से मित्र कीटों की संख्या कम हो जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-7-24	1	1-6

छात्र अपने आइडिया पर खड़ा करेंगे कारोबार, चार से 25 लाख तक मिलेगा अनुदान

- एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 4 से 25 लाख रुपये : कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज
- एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, बेरोजगार छात्रों, किसानों, महिलाओं व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर
- महिलाओं को इस साल बाकियों की बजाय 10 प्रतिशत मिलेगा अतिरिक्त अनुदान।

जागरण संवाददाता • हिसार : केंद्र सरकार की तरफ से शुरू किए गए स्टार्टअप इंडिया कृषि व कृषि से संबंधित बिजनेस करने का आइडिया लेकर आने वाले हर छात्र को अब अनुदान मिलेगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) इसमें हर वर्ग की सहायता करेगा। वह छात्रों को चार लाख से 25 लाख रुपये तक का अनुदान दिलवाएगा।

ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी भी छात्र को उसके आइडिया पर अनुदान मिलने जा रहा है। इसके साथ ही इस साल महिलाओं को 10 प्रतिशत ज्यादा अनुदान मिलेगा। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत एचएयू स्थित एबिक के माध्यम से दी जाएगी। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट www.hau.ac.in पर 10 सितम्बर तक आनलाइन आवेदन करना है। हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के अनुसार, इस सेंटर के माध्यम से युवा छात्र, किसान, महिला व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए छात्र कल्याण प्रोग्राम, 'पहल' एवं 'सफल'-2024 नाम से प्रोग्रामों दिए गए है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज एबिक कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए।

छात्र कल्याण प्रोग्राम : यह प्रोग्राम पहली बार प्रारंभ किया गया है जो छात्रों को उद्यमी बनाने में मदद करेगा। इस प्रोग्राम के तहत केवल छात्र ही आवेदन कर सकते है। चयनित छात्र को एक महीने का प्रशिक्षण व चार लाख तक की अनुदान राशि दी जाएगी। यह राशि चयनित छात्र को एकमुश्त दी जाएगी।

पहल : इस प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व पांच लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित उम्मीदवार को एकमुश्त दी जाएगी।

सफल : इस प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व 25 लाख तक की अनुदान राशि दी जाएगी। यह राशि चयनित उम्मीदवार को दो किश्तों में दी जाएगी।

आनलाइन भेजना होगा प्रपोजल

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल एचएयू की वेबसाइट पर आनलाइन भेजना है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इक्यूबेशन कमेटी द्वारा एक महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद केंद्र सरकार द्वारा गठित कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी।

पांच साल में 65 स्टार्टअप हुए शुरू : आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले पांच सालों में 65 स्टार्टअप को केंद्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग सात करोड़ की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

प्रशिक्षित युवा दूसरे लोगों को भी रोजगार दे पाएंगे : कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का यह सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बने सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	4-7-24	4	5-6

हकृवि के एबिक सैंटर की अनूठी योजना

'एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 4 से 25 लाख रुपए'

हिसार, 3 जुलाई (ब्यूरो): अगर आपके पास कोई कृषि व कृषि से संबंधित बिजनैस करने का आइडिया है, तो आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनैस इंक्यूबेशन सैंटर (एबिक) के माध्यम से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत एच.ए.यू. स्थित एबिक के माध्यम से दी जाएगी।

इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वैबसाइट पर 10 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन करना है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सैंटर के माध्यम से युवा छात्र, किसान, महिला व उद्यमी मार्कीटिंग, नैटवर्किंग, लाइसैंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटैंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं।

आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल एच.ए.यू. की वैबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना है, जोकि निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्युबेशन कमेटी द्वारा एक महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा।

एक महीने के प्रशिक्षण के बाद भारत सरकार द्वारा गठित कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुदान राशि स्वीकृत की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	4-7-24	4	3-5

एक आइडिया दिला सकता है 25 लाख

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, युवा, उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। अगर आपके पास कोई कृषि व कृषि से संबंधित बिजनेस करने का आइडिया है, तो आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 25 लाख रुपये तक अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत एचएयू स्थित एबिक के माध्यम से दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट www.hau.ac.in पर 10 सितंबर, 2024 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

विवि के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा छात्र, किसान, महिला व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए छात्र कल्याण प्रोग्राम, 'पहल' एवं 'सफल'-2024 नाम से तीन प्रोग्रामों का विवरण इस प्रकार हैं। छात्र कल्याण प्रोग्राम विद्यार्थियों को उद्यमी बनाने में मदद करेगा। पहली बार प्रारंभ किए गए इस प्रोग्राम के तहत केवल छात्र ही आवेदन कर सकते हैं, चयनित छात्र को एक महीने का प्रशिक्षण व 4 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित छात्र को एकमुश्त दी जाएगी।

पिछले 5 सालों में 65 स्टार्टअप्स को केंद्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 7 करोड़ की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। इस मौके पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके पाहुजा, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. राजेश गेरा, डॉ. संदीप आर्य, विक्रम सिंधु व राहुल दुहन आदि मौजूद रहे।

एबिक कार्यक्रमों की पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : संस्थान

- *पहल : इस प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व 5 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित उम्मीदवार को एकमुश्त दी जाएगी।*
- *सफल : इस प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व 25 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित उम्मीदवार को दो किश्तों में दी जाएगी।*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	5-7-24	1	1-4

हरिभूमि

10 सितंबर तक करें ऑनलाइन आवेदन, कृषि विभाग का 65 स्टार्टअप का लक्ष्य, 7 करोड़ का प्रावधान

एचएयू ने शुरू की पहल एबिक के माध्यम से दिया जाएगा अनुदान

कृषि क्षेत्र में कारोबार के लिए आइडिया दें स्टार्टअप के लिए मिलेंगे 4 से 25 लाख

हिसार (हरिभूमि न्यूज)। अगर आप भी कृषि क्षेत्र में काम शुरू करना चाहते हैं और आपके पास कारोबार करने के लिए कोई बेहतरीन आइडिया है तो देर मत करिये और 10 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन करें। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय(एचएयू) में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, केंद्र सरकार के सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से आपको 4 लाख से 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि दिला सकता है। इसलिए जल्दी कीजिये और अपने आईडिया को शेयर करें। अनुदान राशि एबिक के माध्यम से ही दी जाएगी। इसके लिए एचएयू वेबसाइट www.hau.ac.in पर 10 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

यह मिलेगी राशि

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से युवा, छात्र, किसान, महिला उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क, पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं। इसके लिए छात्र कल्याण, 'पहल' एवं 'सफल'-2024 नाम से तीन प्रोग्राम लॉन्च किए गए हैं।

2. पहल : इस प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक माह का प्रशिक्षण व 5 लाख तक की अनुदान राशि दी जाएगी। यह राशि एकमुश्त मिलेगी।

3. सफल : इसके तहत चयनित उम्मीदवार को एक माह का प्रशिक्षण व 25 लाख तक की अनुदान राशि दी जाएगी। यह राशि दो किश्तों में दी जाएगी।

कृषि मंत्रालय का लक्ष्य

5 साल में 65 स्टार्टअप्स को केंद्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 7 करोड़ की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। इससे कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू होंगे। इस मौके कुलपति ने कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन भी किया।

आयु व शिक्षा बाधक नहीं

आवेदक को आइडिया का प्रपोजल एचएयू की वेबसाइट **hau.ac.in** पर ऑनलाइन आवेदन करना है। यह निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्युबेशन कमेटी द्वारा माह के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। एक माह के प्रशिक्षण के बाद केंद्र सरकार द्वारा गठित कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुदान राशि दी जाएगी। इसके लिए आयु और शिक्षा बाधक नहीं है।

1. छात्र कल्याण यह प्रोग्राम छात्रों के लिए पहली बार प्रारंभ किया गया है जो छात्रों को उद्यमी बनाने में मदद करेगा। इसके तहत केवल छात्र ही आवेदन कर सकते हैं। चयनित छात्र को एक माह का प्रशिक्षण व 4 लाख तक की अनुदान राशि दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	4-7-24	10	4-8

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 4 से 25 लाख रुपए : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

एचएयू के एबिक सैंटर ने मांगे आवेदन, बेरोजगार छात्रों, किसानों, महिलाओं व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

हिसार, 3 जुलाई (विरेंद्र वर्मा): अगर आपके पास कोई कृषि व कृषि से संबंधित बिजनेस करने का आइडिया है, तो आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 25 लाख रूपये तक की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत एचएयू स्थित एबिक के माध्यम से दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 10 सितम्बर, 2024 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

आइडिया को मिल सकती है 4 से 25 लाख तक की ग्रांट : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा छात्र, किसान, महिला व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए छात्र कल्याण प्रोग्राम, 'पहल' एवं 'सफल'-2024 नाम से तीन प्रोग्रामों का विवरण इस प्रकार हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एबिक कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए।

छात्र कल्याण प्रोग्राम: यह प्रोग्राम छात्रों के लिए पहली बार प्रारंभ किया गया है जो छात्रों को उद्यमी बनाने में मदद करेगा। इस प्रोग्राम के तहत केवल छात्र ही आवेदन कर सकते हैं चयनित छात्र को एक महीने का प्रशिक्षण व 4 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित छात्र को एकमुश्त दी जाएगी।

पहल : इस प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व 5 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित उम्मीदवार को एकमुश्त दी जाएगी।

सफल : इस प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व 25 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित उम्मीदवार को दो किश्तों में दी जाएगी।

उन्होंने बताया पिछले 5 सालों में 65 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 7 करोड़ की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके पाहुजा, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु व राहुल दुहन मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	5-7-24	6	1-5

दैनिक भास्कर

भास्कर खास • एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, युवा छात्र, महिला व किसान बन सकेंगे उद्यमी

कृषि से जुड़े बिजनेस का आइडिया दें, कारोबार स्थापित करने के लिए एचएयू ₹25 लाख तक की सब्सिडी देगा

भास्कर न्यूज | हिसार

कृषि और कृषि से संबंधित बिजनेस करने का आपके पास कोई आइडिया है, तो आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि दिला सकता है। अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत एचएयू स्थित एबिक के माध्यम से मिलेगी। इसके लिए आपको एचएयू की वेबसाइट www.hau.ac.in पर 10 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

'पहल' व 'सफल' -2024 समेत 3 प्रोग्राम शुरू

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा छात्र, किसान, महिला व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए छात्र कल्याण प्रोग्राम, 'पहल' एवं 'सफल'-2024 नाम से तीन प्रोग्रामों का विवरण इस प्रकार हैं।

छात्र कल्याण प्रोग्रामः यह प्रोग्राम छात्रों के लिए पहली बार शुरू किया है। जो छात्रों को उद्यमी बनाने में मदद करेगा। केवल छात्र आवेदन कर सकते हैं। चयनित छात्र को 1 महीने का प्रशिक्षण व 4 लाख तक एकमुश्त राशि मिलेगी।

पहलः इसके लिए चयनित उम्मीदवार को 1 महीने का प्रशिक्षण व 5 लाख तक एकमुश्त राशि दी जाएगी।

सफलः इस प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व 25 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित उम्मीदवार को दो किश्तों में दी जाएगी। उन्होंने बताया पिछले 5 सालों में 65 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 7 करोड़ की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

आयु और शिक्षा नहीं बनेगी बाधा

आवेदक को आइडिया का प्रपोजल एचएयू की वेबसाइट hau.ac.in पर ऑनलाइन आवेदन करना है। जो निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्युबेशन कमेटी द्वारा एक महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। एक महीने के प्रशिक्षण के बाद भारत सरकार द्वारा गठित कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुदान राशि स्वीकृत की जाएगी।

दूसरे लोगों को भी रोजगार दे पाएंगे

कुलपति ने कहा कि ये स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनने में अहम भूमिका निभाएंगे। केंद्र सरकार ने महिलाओं को उद्यमी बनाने को 10% अतिरिक्त अनुदान देने का प्रावधान रखा है। युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के जरिए कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग कर व्यापार की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	4.7.24	8	3-8

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,हिसार में केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से कृषि से संबंधित बिजनेस करने के लिए 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत एचएयू स्थित एबिक के माध्यम से दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in पर 10 सितम्बर, 2024 तक

ऑनलाइन आवेदन करना है।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस एबिक सेंटर के माध्यम से युवा छात्र, किसान, महिला व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए छात्र कल्याण , प्रोग्राम, 'पहल' एवं 'सफल-2024' नाम से तीन प्रोग्राम हैं।

छात्र कल्याण प्रोग्राम के तहत केवल छात्र ही आवेदन कर सकते हैं चयनित छात्र को एक महीने का प्रशिक्षण व 4 लाख रुपये तक की अनुदान राशि एकमुश्त दी जाएगी। पहल प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व 5 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। सफल प्रोग्राम के तहत चयनित उम्मीदवार को एक महीने का प्रशिक्षण व 25 लाख तक की अनुदान राशि प्रावधान की जाएगी। यह राशि चयनित उम्मीदवार को दो किश्तों में दी जाएगी। पिछले 5 सालों में 65 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 7 करोड़ की राशि स्वीकृत की जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षित युवा स्वरोजगार के साथ-साथ दूसरे लोगों को भी रोजगार दे सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत सरकार ने महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान राशि देने का प्रावधान रखा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	03.07.2024	---	--

एक आइडिया दिला सकता है 04 से 25 लाख रुपये: प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 3 जुलाई। अगर आपके पास कोई कृषि व कृषि से संबंधित बिजनेस करने का आइडिया है, तो आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि एवं किसान

कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 25 लाख रूपये तक की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत एचएयू स्थित एबिक के माध्यम से दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 10 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन करना है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा छात्र, किसान, महिला व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं।